मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर जागरूकता-सह-सुग्राह्यता कार्यक्रम पर रिपोर्ट

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), जलीय पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग ने 30 दिसंबर 2024 को महात्मा गांधी लाइब्रेरी हॉल, पेन, रायगढ़, महाराष्ट्र में मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर एक दिवसीय जागरूकता-सह-सुग्राह्यता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के 75 से अधिक प्रगतिशील मछली पालकों ने भाग लिया। इस पहल को केंद्रीय खारा जलजीव पालन संस्थान, चेन्नई द्वारा समन्वित अखिल भारतीय मत्स्य स्वास्थ्य नेटवर्क परियोजना (एआईएनपीएफएच) और राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ द्वारा समन्वित एनएसपीएएडी-II रेफरल प्रयोगशाला द्वारा वित्त पोषित किया गया था ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील कृषि अधिकारी श्री सागर वाडकर ने की, इसके अलावा मत्स्य विभाग, स्थानीय प्रशासन, उद्योग, स्वयं सहायता समूह और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य तीन विषय-केंद्रित सत्रों के माध्यम से मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन में किसानों की जागरूकता बढ़ाना था। मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर पहले सत्र का उद्देश्य स्वस्थ स्टॉक बनाए रखने की रणनीतियों पर ज़ोर देकर रोग की रोकथाम पर जानकारी प्रदान करना था, जल गुणवत्ता प्रबंधन, जैव सुरक्षा और संगरोध उपायों जैसी पद्धतियों को शुरू करना और उत्पादकता और उत्तरजीविता की दर में सुधार के लिए नियमित स्वास्थ्य निगरानी करना था। दूसरे सत्र में रोग से संबंधित मोबाइल ऐप का प्रदर्शन था। तीसरे सत्र में मत्स्य-उत्पादन की लागत को कम करने के अच्छे और किफ़ायती विकल्पों, विपणन और पीएमएमएसवाई योजनाओं आदि पर मार्गदर्शन शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण पुस्तिका जारी की गई।

यह कार्यक्रम भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई के निदेशक एवं कुलपति डॉ. एन.पी. साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम का समन्वय परियोजना टीम डॉ. मेघा के. बेडेकर, डॉ. स्वदेश प्रकाश, डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. सौरव कुमार, डॉ. जीना के. द्वारा किया गया। कार्यक्रम को महाराष्ट्र पुलिस न्यूज-24 द्वारा प्रसारित किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम ने मछली पालकों को मछली के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की जानकारियों से प्रभावी रूप से सशक्त बनाया। इसमें जलकृषि उत्पादकता को बढ़ाने में टिकाऊ पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया, जिससे कृषक समुदाय के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम का समापन डॉ. अरुण शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Report on Awareness cum Sensitization Programme on Fish Health Management

The ICAR-Central Institute of Fisheries Education (CIFE), Aquatic Environment and Health Management Division, organized a one-day Awareness cum Sensitization Programme on Fish Health Management on 30th December 2024 at Mahatma Gandhi Library Hall, Pen, Raigad, Maharashtra. The event was attended by over 75 progressive fish farmers from Maharashtra. This initiative was funded by the **All India Network Project on Fish Health** (AINPFH), coordinated by CIBA, Chennai, and the **NSPAAD -II** Referral Laboratory, coordinated by NBFGR, Lucknow.

The programme was chaired by Sh. Sagar Wadkar, Taluka Agriculture Officer, apart from that representative from Fishery Department, Local Administration, Industry, SHG, and social activists were participated in the programme. The programme aimed to enhance farmers' awareness in fish health management through a series of three focused sessions. First session on fish health management was aimed to impart knowledge on disease prevention by emphasizing strategies to maintain healthy stocks, introducing practices such as water quality management, biosecurity and quarantine measures, and regular health monitoring to improve productivity and survival rates. Second session there was a demonstration on mobile disease app. Third session includes guidance on good and cheap options to reduce fish production cost, Marketing and PMMSY schemes etc. A training manual on fish health management were released during the programme.

The programme was conducted under the guidance of Dr. N. P. Sahu Director & Vice-Chancellor, ICAR-CIFE, Mumbai. The awareness programme was coordinated by the project team Dr. Megha K. Bedekar, Dr. Swadesh Prakash, Dr. Arun Sharma, Dr. Saurav Kumar, Dr. Jeena K. The programme was covered by Maharashtra Police News-24. This awareness programme effectively empowered fish farmers with knowledge and ideas to improved fish health. It highlighted the critical role of sustainable practices in enhancing aquaculture productivity, ensuring long-term benefits for the farming community. The programme was ended with the vote of thanks by Dr. Arun Sharma.

जागरूकता–सह–सुग्राह्यता कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ
Some glimpses from the Awareness cum Sensitization Programme

CIBA
Awareness cum Sensitization Programme
on
Health Management
30-12-2024
Hall, Pen, Raigad, Maharashtra
Funded by
Fish Health (AINPFH)

CIBA
Awareness cum Sensitization Programme
on
Fish Health Management
Raigad, Maharashtra
Funded by
Fish Health (AINPFH)
वाचन संकल्प महाराष्ट्राचा
वाचन संस्कृती
महात्मा गांधी ग्रंथालय, वाचनालय पेण

CIBA
Awareness cum Sensitization Programme

CIBA
Awareness cum Sensitization Programme
on
30-12-2024
वाचन संकल्प महाराष्ट्राचा
वाचन संस्कृती
१ जानेवारी ते १५ जानेवारी
महात्मा गांधी ग्रंथालय, वाचनालय पेण
National Surveillance Programme on

CIBA
Awareness cum Sensitization Programme
on
Fish Health Management
30-12-2024
Venue: Mahatma Gandhi Library Hall, Pen, Raigad, Maharashtra
Funded by
All India Network Project on Fish Health (AINPFH)
Organized by
वाचन संकल्प महाराष्ट्राचा
वाचन संस्कृती
मी जपणार आहे
१ जानेवारी ते १५ जानेवारी
महात्मा गांधी ग्रंथालय, वाचनालय पेण

CIBA
Awareness cum Sensitization Programme
on
Fish Health Management
वाचन संकल्प महाराष्ट्राचा
वाचन संस्कृती
मी जपणार आहे
१ जानेवारी ते १५ जानेवारी
महात्मा गांधी ग्रंथालय, वाचनालय पेण
Awareness cum Sensitization Programm
on
Fish Health Management
30-12-2024
Venue: Mahatma Gandhi Library Hall, Pen, Raigad, Maharashtra
Funded by
National Surveillance Programme on
Aquatic Animal Diseases (NSPAAD)-II Referral Lab

CIBA
वाचन संकल्प महाराष्ट्राचा
वाचन संस्कृती
मी जपणार आहे
१ जानेवारी ते १५ जानेवारी
Awareness cum Sensitization Programme
on
Fish Health Management
30-12-2024

रायगड प्र.संजय गायकवाड
गांधी मंदिरामध्ये शेतकऱ्यांसाठी मत्स्य व्यवसाय शिबीर संपन्न